SEM-3, Sc-302, By- Dr. Shyam Bihari Choudhary

TOPIC- AIR POLLUTION : By HUMAN RESOURCES

विभिन्न घरेलू कार्य जैसे भोजन पकाना, पानी गरम करना, आदि में कोयला, लकड़ी, उपला, मिट्टी का तेल, कृषि अपशिष्ट पदार्थ, गैस, आदि का इंधन के रूप में प्रयोग होता है। घरों में जैविक व जीवाश्म इंधन के दहन से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसे वायु को प्रदूषित करती है। हमारे देश में कुल ऊर्जा उपभोग का लगभग आधा भाग घरेलू कार्यों में प्रयुक्त होता है।

रसोई घर में जलने वाली गैस (L.P.G) से घरों में निर्धारित मानक से चार गुणा अधिक प्रदूषण फैल रहा है। रसोई गैस के जलने पर नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड तथा नाइट्रोजन मोनोऑक्साइड के रूप में विषैली गैस बनती है।

(iii) ताप बिजली घर-

बिजली की बढ़ती हुई माँग की आपूर्ति के लिए कोयला, प्राकृतिक गैस व खनिज तेल पर आधारित ताप बिजली घरों की स्थापना की जा रही है। कोयले पर आधारित ताप बिजली घरों से सर्वाधिक प्रदूषण होता है। ताप बिजली घरों से निकलनेवाली कार्बन डाई ऑक्साइड, सल्फर डाइ ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्स[illegible] राख (Fly ash), कालिख आदि वायु मण्डल में अत्यधिक प्रदूषण फैलाते है